हेलो ट्रेडर्स एंड इन्वेस्टर्स। लास्ट वीडियो में हमने देखा था ऑर्डर फ्लो के एक पावरफुल टूल फुटप्रिंट चार्ट्स के बारे में। आज हम देखेंगे फुटप्रिंट्स चार्ट का एक डेमो गो चार्टिंग प्लेटफार्म पे। जैसे मैंने लास्ट वीडियो में आप लोगों को बताया था कि इस तरीके के टूल्स को यूज़ करने के लिए कई सारे प्लेटफॉर्म्स अवेलेबल है। बट मैं जो पर्सनली यूज़ करती हूं दैट इज़ गो चार्टिंग। सो अगर आप लोग ट्रेडिंग में रियल बयरर्स एंड सेलर्स डाटा देखना चाहते हैं तो फुटप्रिंट चार्ज जो है वो एक गेम चैंजर है। तो चलिए शुरू करते हैं। तो चलिए यहां सबसे पहले आपको जाना होगा go चार्टिंग की वेबसाइट पे दैट इज www.ging.com मैंने ऑलरेडी यहां पे आप लोग स्क्रीन में देख पा रहे होंगे go ching.com तो यहां से आप सेम लॉगिन करो अपना अकाउंट बना लो। ठीक है? सो मेरा ऑलरेडी यहां पर अकाउंट है। तो उसके बाद लाइक आप इसका जो प्रीमियम सब्सक्रिप्शन है वो आप ले सकते हो। आपको ओवरऑल जो डिटेल है जब आप लॉग इन करेंगे तब आपको सारी डिटेल यहां पे शो हो जाएगी। सो उसके बाद आपको कहां पे जाना है? आपको जाना है यह प्रोडक्ट के फीचर में। मतलब इसमें एक्चुअली काफी सारे ऑप्शन हैं। बट अभी हम जो देखने वाले हैं, वह देखने वाले हैं एडवांस टेक्निकल एनालिसिस में ऑर्डर फ्लो चार्टिंग। सो आपको प्रोडक्ट पे क्लिक करके सबसे पहले आपको चार्ट पे जाना है। ठीक है? सो जब भी आप चार्ट पे जाओगे तो इस तरीके का आपका जो चार्ट है वो ओपन होगा। अब इसकी जो सेटिंग है वो हम किस तरीके से करेंगे वो एक बार आप लोग चेक कर लो। सो फर्स्ट ऑफ़ ऑल यहां पे जब भी आपको फुटप्रिंट चार्ट्स या ऑर्डर फ्लो में आपको फुटप्रिंट चार्ट्स देखना है तो आप यहां पे जो डाटा लगाओगे ना वो आप फ्यूचर का डाटा लगाओगे। लाइक निफ्टी फ्यूचर हो गया, बैंक निफ्टी फ्यूचर हो गया या फिर किसी स्टॉक का भी आपको एनालिसिस करना है तो आप फिर स्टॉक फ्यूचर लगा लगाइए। अभी जैसे मैंने लगा लिया है आपका निफ्टी फ्यूचर। ठीक है? निफ्टी फ्यूचर अभी यहां पे जो मैंने लगाया हुआ है टाइम फ्रेम वो लगाया हुआ है वन डे का। ठीक है? आप चार्ट्स पे जाओगे। चार्ट्स पे जाके आपको यहां पे जो इमंबैलेंस शो कर रहा है, इस पे आपको क्लिक कर देना है। सो, इस तरीके की आपकी जो कैंडल है, इसको थोड़ा सा ज़ूम कर लीजिए। इस तरीके से आपकी जो कैंडल है वह आपको शो होने लग जाएगी। यह देखिए। ठीक है? सो, दिस इज यह है आपके फुटप्रिंट चार्ट्स। ठीक है? यहां पे जैसे लास्ट वीडियो में मैंने आपको जो बताया था कि बयर, सेलर्स क्या होता है। सो, दिस इज़ कॉल्ड फुटप्रिंट चार्ट्स। अब आपके जो है यह फुटप्रिंट चार्ट हैं। ठीक है? नॉर्मल कैंडल के फॉर्मेशन में आपको ऑर्डर्स दिखाई दे रहे हैं। लाइक बाइंग ऑर्डर एंड सेलिंग ऑर्डर्स। ठीक है? सो चलिए स्टेप बाय स्टेप एक बार इसको अंडरस्टैंड करते हैं हम वापस कि जो बेसिक अंडरस्टैंडिंग ऑफ फुटप्रिंट स्ट्रक्चर। ठीक है? सो अब आपके सामने ये जो चार्ट है दैट इज कॉल्ड फुटप्रिंट चार्ट। इसमें क्या-क्या आपको दिखाई दे रहा है। ठीक है? एक-एक कैंडल के अंदर आप देखोगे। सो, ये जो लेफ्ट साइड है, यह आपका हो गया है अ सेल ट्रेड्स। ठीक है? ये बेसिकली बड बडिंग्स ले रखी हैं सेलर्स ने। सो, दिस इज़ अ बड ट्रेड्स। राइट साइड में आप देखोगे तो यह है आपका बाय ट्रेड्स। सो, दिस इज़ कॉल्ड आस्क ट्रेड। सो, हर प्राइस पे आपको यह दिखाई दे रहा है। हर प्राइस लेवल पे आपको यह दिखाई दे रहा है कि कितने बयरर्स एंड सेलर्स एक्टिव थे और या एक्टिव हैं। तो, वह डाटा आपको इस फुटप्रिंट चार्ट में आसानी से दिख जाता है। यह आपका जो लेफ्ट वाला है, यह है आपका सेल्स सेल ट्रेड ट्रेड्स का डाटा और यह है आपका बाय ट्रेड्स का डाटा। ठीक है? सो इसमें आपको क्या पता चल रहा है? यहां पे आपको पता चल रहा है रियल टाइम बयरर्स एंड सेलर्स की एक्टिविटीज एज वेल एज आपको यहां पे एक्टिविटीज भी पता चल रही है। प्लस आपको स्ट्रेंथ पता चल रही है। लेट्स सपोज मैं इसको और ज़ूम कर देती हूं आपकी सहूलियत के लिए। सो, यह मैंने बहुत ज्यादा ज़ूम कर दिया है। कोई भी आप एक भी कोई भी कैंडल ले लीजिए। लेट्स सपोज़ यह कैंडल हो गई। ठीक है? यह हमने ओवरऑल कैंडल ले ली यह वाली। ठीक है? तो अब यहां पे आपको आराम से क्या दिखाई दे रहा है? यहां पे आपको जैसा मैंने आपको बोला है कि यहां पे आप बयरर्स एंड सेलर्स की रियल मार्केट में एक्टिविटीज पता कर सकते हो। प्लस आप स्ट्रेंथ पता कर सकते हो कि इवेंचुअली जो एक्टिव है वो कौन है अभी ज्यादा। ठीक है? सो इसके अलावा लाइक यह भी हमें देखना है कि हाउ टू स्पॉट अपॉर्चुनिटीज़। हम अपॉर्चुनिटीज को कैसे यहां पे देख सकते हैं? ठीक है? यदि आप इस पर्टिकुलर चार्ट को यूज़ कर रहे हो तो आपको अपॉर्चुनिटीज़ कहां-कहां मिल सकती हैं? ठीक है? तो पहला हम समझते हैं वॉल्यूम इमंबैलेंस। ठीक है? जब किसी प्राइस लेवल पे बयरर्स एंड सेलर्स ज्यादा एक्टिव होते हैं, तो दैट इज कॉल्ड वॉल्यूम इमंबैलेंस। ठीक है? आपको जो ये येलो कलर के बॉक्स दिख रहे हैं, दीज़ आर इमंबैलेंस। मतलब इस पर्टिकुलर लेवल पे जो आपके बयरर्स या सेलर्स मतलब आपके यदि लेफ्ट एरिया में आपको येलो बॉक्सेस दिख रहा है। इट मींस यहां पे आपके जो सेलर्स हैं वो बहुत ज्यादा एक्टिव हैं। आपको राइट साइड में यदि दिखाई दे रहा है ये वाला जैसे इस कैंडल को मैं देख रही हूं तो आप देख पा रहे हो यहां पे आपका जो येलो कलर का एक बॉक्स दिख रहा है। दिस इज़ इमंबैलेंस। तो यहां पे आपके जो बयरर्स हैं वो बहुत ज्यादा एक्टिव हैं। ठीक है? तो अब यहां पर जब प्राइस मूव नहीं करता बट वॉल्यूम ज्यादा है। है ना? प्राइस लेट्स सपोज

मोमेंटम नहीं आ रही है और बट वॉल्यूम बहुत ज्यादा है। सो दिस इज कॉल्ड एब्सॉर्सेंस। ठीक है? यह हम बहुत डिटेल में आगे की जो वीडियोस रहेंगे। अभी मैं बहुत आपको बेसिक्स समझा रही हूं ताकि आप लोग स्टेप बाय स्टेप इस चीज को समझ सको। ठीक है? अब ब्रेकआउट कंफर्मेशन। अब ब्रेकआउ कंफर्मेशन के लिए भी आपको क्या देखना है कि जब प्राइस में ब्रेकउ या ब्रेकाडाउन आ रहा है तो वहां पर आपको यह देखना है कि क्या बयरर्स या क्या सेलर्स वहां पे एक्टिव हैं तो यह पर्टिकुलर आपको जो कंफर्मेशन लेना है वह यहां से ही लेना है। उसके लिए कुछ-कुछ और ऑप्शंस होते हैं यूज़ करने के लिए। जैसे अभी मैंने वन डे लगाया हुआ है। अब इसको मैं कर देती हूं 15 मिनट। सो आप ओवरऑल डे की फिर एक्टिविटी आप इसको चेक कर सकते हो। मतलब जैसे मार्केट ओपन हुआ सुबह 9:00 बजे है ना जैसे हम आ गए यहां ठीक है ये 18th का डाटा है। सो 18 तारीख को मार्केट ओपनिंग हुई है। यह देखो यहां पे आप देख पा रहे हो यह जो नेगेटिविटी आई है। मतलब फर्स्ट कैंडल में ही जो सेलर्स थे वो ज्यादा एग्रेसिव थे। ठीक है? तो यहां पे लेट्स सपोज़ यहां पे किसी भी प्राइस में हमें ब्रेकडाउन दिखाई दे रहा है। तो हम एक बार इस चार्ट से कंफर्मेशन लेंगे कि क्या अभी जो सेलर्स हैं वो एक्टिव हैं या नहीं। ब्रेकआउट और ब्रेकडाउन कंफर्मेशन आप यहां से ही देखोगे। मतलब लेट्स सपोज़ बयर बहुत ज्यादा एक्टिव हो रहे हैं। ठीक है? बाइंग बयर बहुत ज्यादा एक्टिव हैं। तो आप समझ जाओ कि दैट इज़ अ डिमांड ज़ोन। मतलब वो फिर आपका बाइंग अपॉर्चुनिटी आप देख सकते हो। ठीक है? कि वहां से डिमांड्स बढ़ रही है, ऑर्डर्स आ रहे हैं तो ऑब्वियसली जब ऑर्डर्स आ रहे हैं, डिमांड बढ़ेगी तो जो प्राइस है वो कहां जाएगा? ऑब्वियसली ऊपर जाएगा। अब इसी तरीके से ऑोजिट लेट्स सपोज आप देख रहे हो कि सेलर्स बहुत ज्यादा एक्टिव हो रहे हैं तो वहां पे आप आसानी से उसको फिर एक सप्लाई ज़ोन मान लो, रेजिस्टेंस ज़ोन मान लो और वहां से कभी भी जो मार्केट में सेलिंग है, वह आ सकती है। ठीक है? जैसे यहां के केस में जो अभी हमने करंट चार्ट लगाया हुआ है, वह देखो, वह यही बता रहा है। यह देखिए आप वह यही बता रहा है कि इवेंचुअली जो मार्केट का डाटा है यह 18 तारीख का मैंने लगाया हुआ है। यह देखिए यहां पे किस तरीके से प्राइस जो है वह नीचे आ रहा है। मतलब मार्केट ने एक ब्रेकडाउन यहां पे डाउन आया है जस्ट बिकॉज़ क्योंकि हम यहां पे देख रहे हैं कि जो सेलर्स हैं वो थोड़े से ज्यादा एक्टिव हो रहे हैं और इस वजह से यहां पे हम फिर आराम से एक कंफर्मेशन ले सकते हैं कि हां हम यहां पे जो है सेलिंग का ट्रेड कैप्चर कर सकते हैं। अच्छा अब इसमें और भी दो-तीन टूल होते हैं जो बहुत ही इंपॉर्टेंट होते हैं। एक होता है आपका डेल्टा। ठीक है? डेल्टा मतलब होता है आपका जो बाइंग वर्सेस सेलिंग वॉल्यूम का जो डिफरेंस होता है। अह एग्रेसिव बाइंग ऑर्डर्स एंड अग्रेसिव सेलिंग ऑर्डर्स की जो डिफरेंस होता है दैट इज़ कॉल्ड डेल्टा। एक और होता है दैट इज़ कॉल्ड क्यूमुलेटिव डेल्टा। क्यूमुलेटिव डेल्टा जो यूज़ किया जाता है वो किया जाता है आपका ट्रेंड समझाने के लिए। मैं आपको एक बार लाइव ही दिखा देती हूं यहां पे। सो लेट्स सपोज अभी हम जाते हैं। आपको इस पे जाना है। आप स्टडी पर गए। ठीक है? स्टडी के बाद आपको ऑर्डर फ्लो पर जाना है। ऑर्डर फ्लो पे आप क्लिक करोगे तो आपको यहां पे आएगा एक ऑप्शन बार स्टैटिक्स। ठीक है? आपने ये लगा लिया। ठीक है? इसमें टूल्स बहुत सारे होते हैं। बट मैं आप लोगों के पास जो टूल लेके आ रही हूं वो एक बेसिक टूल लेके आ रही हूं कि जहां पे आप लोग आसानी से समझ पाओ। ठीक है? इसको हम बहुत ज्यादा वो नहीं बनाते हैं कि आपको भी समझने में प्रॉब्लम हो। तो मैंने तीन चीजें आपको बताई कि इसमें आप बार स्टैटिक का यूज करके आप यहां पर वॉल्यूम, डेल्टा एंड क्यूमुलेटिव डेल्टा। ठीक है? ये आप इंपॉर्टेंट टूल है। तो पहले हम समझ लेते हैं कि ये जो वॉल्यूम है, वॉल्यूम का मतलब आपके जो भी बाइंग और सेलिंग ऑर्डर मतलब ओवरऑल जो वॉल्यूम है वो कितना है इस पर्टिकुलर कैंडल में। ठीक है? जैसे यहां पे आ गए हम। तो यहां इस पर्टिकुलर कैंडल में हमारे जो ऑर्डर ओवरऑल वॉल्यूम है वो है 426000 ऑर्डर्स। ठीक है? ये यहां पे वॉल्यूम दिखाई दे रहा है। अब नेक्स्ट आपका आ गया डेल्टा। सो डेल्टा मतलब होता है डिफरेंस बिटवीन बइंग एंड सेलिंग ऑर्डर्स। बयरर्स एंड सेलर्स का जो डिफरेंस होगा दैट इज़ कॉल्ड डेल्टा। वो आपको दिखेगा इसमें जो यह सेकंड रो है। ठीक है? सो इस पर्टिकुलर कैंडल में देखिए ये ऑर्डर आए हैं और ये ऑर्डर आए हैं। इनका जो डिफरेंस होगा दैट इज कॉल्ड डेल्टा। तो यहां पे जो डिफरेंस आया है वो आया है 71,000 सेलिंग ऑर्डर का। मतलब यहां पे आप लोग अंदाजा लगाओगे कि नहीं मार्केट में अभी अचानक से मार्केट ओपन हुआ है और मार्केट में जो सेलर्स हैं वो ज्यादा डोमिनेट कर रहे हैं फर्स्ट कैंडल में। तो दिस इज़ अ वेट एंड वॉच सिचुएशन। यहां पे आप फिर अग्रेसिव मत हो जाइएगा बाय करने के लिए या सेल करने के लिए। तो इवेंचुअली इस ऐसी कंडीशन में आपको वेट करना है। ठीक है? दूसरा आपका मैंने बताया आपको क्यूमुलेटिव डेल्टा। ठीक है? यह जो आपको तीसरी वाली जो लाइन दिख रही है, यह क्यूमुलेटिव डेल्टा है। सो, क्यूमुलेटिव डेल्टा क्या बताता है? यह आपको ट्रेंड बताता है। यह कैसे ट्रेंड बताता है? चलिए, समझते हैं। सो, यह मार्केट 9:15 पे ओपन हुआ। ठीक है? 9:15 पे आपके आ गए 71,000 सेलिंग ऑर्डर्स डेल्टा। ठीक है? तो अब ये 71,000 डेल्टा फर्स्ट कैंडल में आ जाते हैं सेकंड कैंडल पे। सेकंड कैंडल पे क्या

हुआ? अगेन 57,000 सेलिंग ऑर्डर्स ज्यादा अग्रेसिव हैं आपके सेकंड कैंडल में। मतलब यहां पे भी जो सेलर्स हैं वो ज्यादा डोमिनेट कर रहे हैं। तो अब जो क्यूमुलेटिव डेल्टा होगा वो होगा आपका लास्ट 15 मिनट का जो डिफरेंस था वो प्लस अभी तो 71000 + 57000 इसको जब आप ऐड करोगे तो आपका जो फिगर आएगा वो आएगा 128000 ओके सो 128.78k तो ये आपका ऐड हो गया मतलब अभी मार्केट खुला था आपका 9:15 पे तो 9:30 तक की जो कैंडल बनी है 9:30 से 9:45 तक की कैंडल तो यहां पे स्टिल जो सेलर्स हैं वो ही डोमिनेट कर रहे हैं। तो जो क्यूमुलेटिव डेल्टा होता है यह होता है आपका ट्रेंड आइडेंटिफाई करने के लिए। ठीक है? उसके बाद नेक्स्ट कैंडल पे आ जाओ। नेक्स्ट कैंडल में अगेन बाइंग ऑर्डर आए हैं। सेलिंग ऑर्डर आए हैं 59,000। तो अब 59,000 अगेन सेलर एग्रेसिव हो गए हैं। मतलब दिस इज़ अ डेल्टा डिफरेंस बिटवीन दिस और दिस। तो यहां पे अगेन 59,000 का अह सेलिंग ऑर्डर्स एग्रेसिव हैं। सेलर्स अग्रेसिव हैं। तो अब जो लास्ट कैंडल का क्यूमुलेटिव डेल्टा था दैट वाज़ 128,000 इसको आपको प्लस करना है 59,000। तो जो डिफरेंस आ जाएगा मतलब जो क्यूमुलेटिव डेल्टा ओवरऑल आ जाएगा वो आ जाएगा 188.55। तो इस तरीके से यह ऐड होता जाएगा। तो अब ऐसी कंडीशन में हम क्या अंदाजा लगा सकते हैं कि जो मार्केट में सेलर्स एग्रेसिव हो रहे हैं। प्लस आपको जब ट्रेंड आइडेंटिफाई करना है तो आप क्यूमुलेटिव डेल्टा से आइडेंटिफाई कर सकते हो। अब जैसे देखो इस पर्टिकुलर कैंडल में बयरर्स आए। बट स्टिल जो क्यूमुलेटिव डेल्टा था वो कितना नेगेटिव था। आप देखो 445 थाउजेंड सेलर्स अभी भी मार्केट में अग्रेसिव हैं। मतलब यहां पे अभी भी जो सेलर्स हैं वह डोमिनेट कर रहे हैं मार्केट को। तो यहां पे आपको भले ही थोड़ी बहुत पॉजिटिविटी मार्केट में दिखे। जैसे आपको इस यहां पे डेल्टा इस कैंडल में 4.73 के आपके बाइंग ऑर्डर्स आए। मतलब बाइंग डेल्टा आया। बाइंग और सेलिंग का जो डिफरेंस है। मतलब यहां पे 4000 ऑर्डर्स जो हैं वो ज्यादा रहे। पॉजिटिव रहा डेल्टा। बट आप यदि क्यूमुलेटिव डेल्टा देखोगे तो यह है आपका 445000। मतलब दिस इज़ अ बिग नंबर। तो यहां पे आप इतना छोटा सा डेटा देख के आप यहां पे बाइंग ट्रेड या बाइंग कभी भी आप प्लान नहीं करोगे क्योंकि जो क्यूमुलेटिव डेल्टा होता है दिस इज़ फॉर ट्रेंड एनालाइज। ओके? आपको ट्रेंड को एनालिसिस करना है तो आपको क्यूमुलेटिव डेल्टा को समझना पड़ेगा। अब आप देखो यह मैंने 18th का ही ओपन हुआ है। आप देख रहे हो यहां पे क्यूमुलेटिव डेल्टा नेगेटिव होता ही जा रहा है। यह डाल्टा बढ़ते ही जा रहा है। बढ़ते ही जा रहा है। बढ़ते ही जा रहा है। मतलब मार्केट कहां पे था? 25 आपका ओपन हुआ था 25167 पे लो बनाया इस कैंडल में 25120 का। ठीक है? अब उसके बाद आप देखो यह गिरता ही जा रहा है। क्यों? यहां पे नेगेटिव। तो यहां पे इस कंडीशन में हम आसानी से अपने जो ट्रेड हैं वो सेलिंग के साइड प्लान कर सकते हैं। ठीक है? यहां पे यदि आपको दिख रहा है कि थोड़ा बहुत बाउंस आ रहा है, रिकवरी आ रही है तो आप कभी भी आप जब भी लो आप एक बार क्यूमुलेटिव डेल्टा को चेक करो कि एक्चुअल में जो ट्रेंड है वह क्या है? तो ऐसी कंडीशन में आप कर सकते हो कि इवेंचुअली मार्केट की जो स्ट्रेटजी है वो क्या है। लाइक दिस इज अ बाय ऑन डिप स्ट्रेटजी और सेल ऑन राइज़ स्ट्रेटजी। तो इस कंडीशन में जब भी आपको बाउंस बाउंस मिलता है ऊपर की तरफ आप आराम से स्कैल्पिंग कर सकते हो सेल ऑन राइज़ स्ट्रेटजी पे। ठीक है? सो दिस इज़ अ क्यूम्युलेटिव डेल्टा। आई होप आपको ये चीजें समझ में आई होंगी कि व्हाट इज़ डेल्टा? व्हाट इज़ क्यूम्युलेटिव डेल्टा। वॉल्यूम के बारे में तो हम सभी लोग जानते हैं। ठीक है? तो एज वेल एज तीसरा जो इंपॉर्टेंट पॉइंट है वो है इमंबैलेंस। वो मैंने आपको लास्ट वीडियो में भी बताया था। तो जो ये आपको येलो कलर के बॉक्सेस दिख रहे हैं ये है आपका इमंबैलेंस। इमंबैलेंस का मतलब होता है कि जहां पे आपके बयर सेलर्स जो हैं वो काफी ज्यादा एक्टिव होते हैं। ठीक है? सो दिस इज़ कॉल्ड इमंबैलेंस। ठीक है? सो इस तरीके से आप लोग अपनी जो ट्रेड्स हैं वो इस प्रॉपर्ली डेटा को देख के प्लान कर सकते हो। वॉल्यूम इंपॉर्टेंट है, डेल्टा इंपॉर्टेंट है, क्यूम्युलेटिव डेल्टा इंपॉर्टेंट है। तो जब भी आप कोई ट्रेड प्लान कर रहे हो तो इस पर्टिकुलर डेटा को आप एक बार देख लोगे तो वहां से आपको एक छोटी सी कंफर्मेशन मिल जाएगी। आपको ट्रेंड पता चल जाएगा। आपको रियल टाइम डाटा पता चल जाएगा कि इवेंचुअली यदि आप अभी कोई पर्टिकुलर पोजीशन बनाने जा रहे हैं वेदर इट इज़ बाइंग और सेलिंग। आप उसको एक बार चेक कर लो। आपको जो टाइम फ्रेम है वह आप अपने अकॉर्डिंग यूज़ कर सकते हो। मतलब ये जो है अभी मैंने 15 मिनट लगाया है। ये इसी तरीके से 5 मिनट में भी काम करेगा। 30 मिनट पे भी काम करेगा। आप दिस इज अप टू यू। अभी मैंने 30 मिनट के चार्ट पे मैं शिफ्ट हो गई। तो यहां पे वो जो डेटा है वो उसके अकॉर्डिंग कैलकुलेट होता जाएगा। सो ये मतलब मेरा ये है कि यदि आप लोग कैंडलस्टिक के बिय्ड देखना चाहते हो ना तो आप फुटप्रिंट चार्ट्स को यूज कर सकते हो। प्रॉपर्ली आप इसका इस्तेमाल कर सकते हो। अपने ट्रेड्स के कंफर्मेशन के लिए आप उसको यूज कर सकते हो। और डाटा आपको मार्केट का रियल टाइम डेट आपको पता चल सकता है कि यहां पे आपको बाइंग साइड जाना है या सेलिंग साइड जाना है। तो आप कंफर्मेशन के लिए इसको यूज़ कर सकते हो। क्यूमुलेटिव डेल्टा आप ट्रेंड देख सकते हो। डेल्टा ओवरऑल मतलब अभी पर्टिकुलर कैंडल में आपकी

एक्टिविटी किसकी ज्यादा है? कौन किसको डोमिनेट कर रहा है? बयर सेलर्स। तो ये जो छोटी-छोटी चीजें होती हैं, यह आपको लाइव मार्केट में बहुत ही ज्यादा सपोर्ट कर देती हैं। तो इसी तरीके से अगर आपको चाहिए कि मैं और ज्यादा आपकी ट्रेनिंग इवन स्ट्रेटजीस आप लोगों तक लाऊं ऑर्डर फ्लो का यूज करके तो प्लीज आप लोग ज्यादा से ज्यादा कमेंट करिए, लाइक करिए, चैनल को सब्सक्राइब करिए, फॉलो करिए एंड डोंट फॉरगेट टू लाइक, शेयर एंड सब्सक्राइब। ओके? कीप लर्निंग, कीप अर्निंग। थैंक यू।